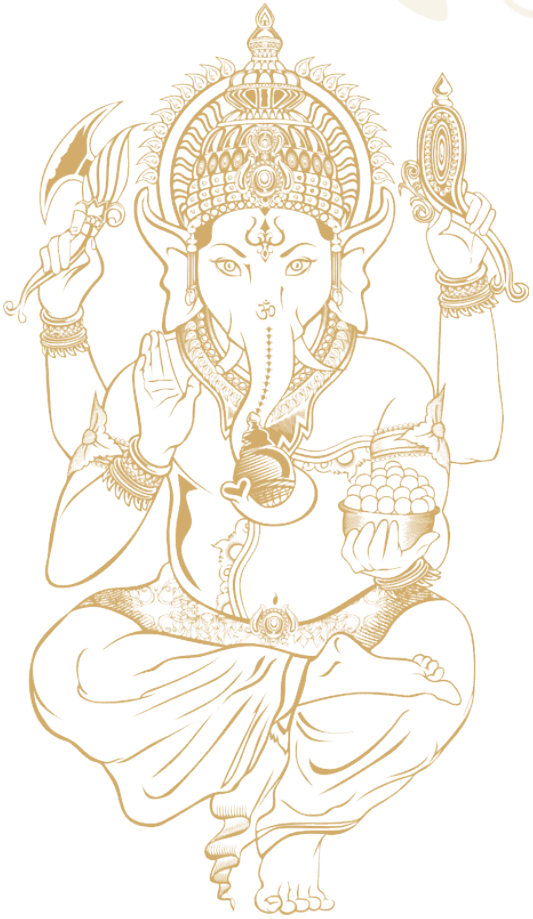

Sonu

10 May 1978

02:58 PM

Kathua

Model: web-freekundliweb

Order No: 121505004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/05/1978**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**14:58:00 घंटे**
इष्ट	23:29:18 घटी
स्थान	**Kathua**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:22:00 उत्तर
रेखांश	75:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:30:04 घंटे
वेलान्तर	00:03:37 घंटे
साम्पातिक काल	05:41:23 घंटे
सूर्योदय	05:34:16 घंटे
सूर्यास्त	19:14:55 घंटे
दिनमान	13:40:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	25:48:48 मेष
लग्न के अंश	02:27:57 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:27:57	308:32:22	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			मेष	25:48:48	00:58:00	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	उच्च राशि
चंद्र			मिथु	01:50:29	12:00:10	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
मंगल			कर्क	18:41:29	00:28:07	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	नीच राशि
बुध			मीन	29:36:45	01:00:32	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	नीच राशि
गुरु			मिथु	11:12:56	00:11:23	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	22:19:54	01:12:42	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			सिंह	00:17:36	00:01:35	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	11:24:02	00:07:36	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	11:24:02	00:07:36	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		तुला	20:37:03	00:02:31	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
नेप	व		वृश्चि	24:07:40	00:01:22	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
प्लूटो	व		कन्या	20:51:53	00:01:18	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	02:10:24	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:17

लग्न-चलित

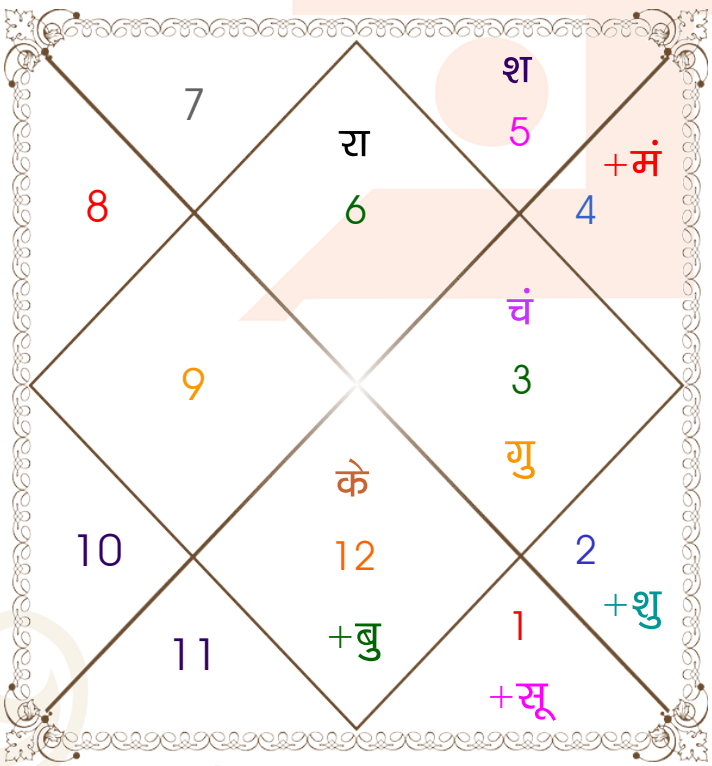

चन्द्र कुंडली

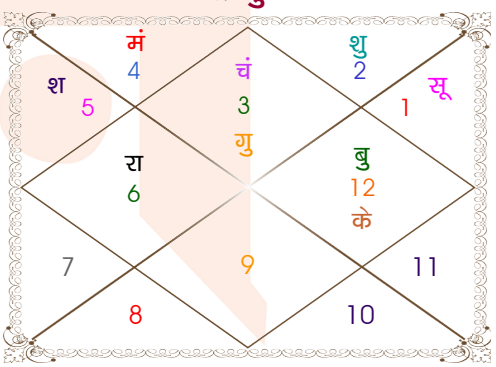

नवमांश कुंडली

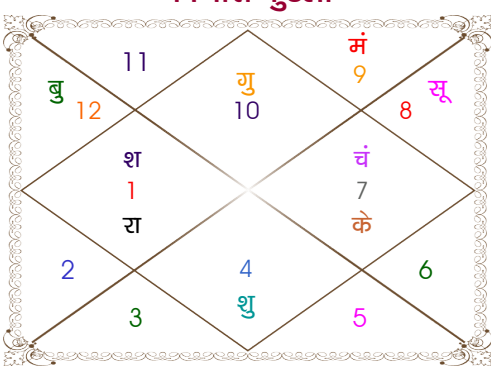

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 6 मास 12 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/05/1978		20/11/1980		21/11/1998		21/11/2014		21/11/2033	
20/11/1980		21/11/1998		21/11/2014		21/11/2033		21/11/2050	
	00/00/0000	राहु	04/08/1983	गुरु	08/01/2001	शनि	24/11/2017	बुध	18/04/2036
	00/00/0000	गुरु	27/12/1985	शनि	22/07/2003	बुध	03/08/2020	केतु	16/04/2037
	00/00/0000	शनि	02/11/1988	बुध	27/10/2005	केतु	12/09/2021	शुक्र	14/02/2040
	10/05/1978	बुध	23/05/1991	केतु	03/10/2006	शुक्र	11/11/2024	सूर्य	21/12/2040
बुध	19/05/1978	केतु	09/06/1992	शुक्र	03/06/2009	सूर्य	24/10/2025	चंद्र	22/05/2042
केतु	15/10/1978	शुक्र	10/06/1995	सूर्य	22/03/2010	चंद्र	26/05/2027	मंगल	19/05/2043
शुक्र	16/12/1979	सूर्य	04/05/1996	चंद्र	22/07/2011	मंगल	03/07/2028	राहु	06/12/2045
सूर्य	21/04/1980	चंद्र	02/11/1997	मंगल	27/06/2012	राहु	10/05/2031	गुरु	13/03/2048
चंद्र	20/11/1980	मंगल	21/11/1998	राहु	21/11/2014	गुरु	21/11/2033	शनि	21/11/2050

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/11/2050		21/11/2057		21/11/2077		21/11/2083		21/11/2093	
21/11/2057		21/11/2077		21/11/2083		21/11/2093		00/00/0000	
केतु	19/04/2051	शुक्र	22/03/2061	सूर्य	10/03/2078	चंद्र	21/09/2084	मंगल	19/04/2094
शुक्र	18/06/2052	सूर्य	22/03/2062	चंद्र	09/09/2078	मंगल	22/04/2085	राहु	07/05/2095
सूर्य	24/10/2052	चंद्र	21/11/2063	मंगल	15/01/2079	राहु	21/10/2086	गुरु	12/04/2096
चंद्र	25/05/2053	मंगल	20/01/2065	राहु	09/12/2079	गुरु	20/02/2088	शनि	22/05/2097
मंगल	21/10/2053	राहु	21/01/2068	गुरु	27/09/2080	शनि	21/09/2089	बुध	10/05/2098
राहु	09/11/2054	गुरु	21/09/2070	शनि	09/09/2081	बुध	20/02/2091		00/00/0000
गुरु	16/10/2055	शनि	21/11/2073	बुध	16/07/2082	केतु	21/09/2091		00/00/0000
शनि	23/11/2056	बुध	21/09/2076	केतु	21/11/2082	शुक्र	22/05/2093		00/00/0000
बुध	21/11/2057	केतु	21/11/2077	शुक्र	21/11/2083	सूर्य	21/11/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 6 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।